Chapter 6

bihar board class 9th geography notes – जनसंख्या

जनसंख्या

महत्वपूर्ण तथ्य-

किसी भी देश का आर्थिक विकास मुख्यतः दो बातों पर निर्भर करता है-प्राकृतिक संसाध न तथा मानवीय संसाधन जिसमें मानव संसाधन । ज्यादा आवश्यक है क्योंकि मानव संसाधन साधन भी है तथा साध्य भी । अर्थात् किसी देश का वास्तविक स्वरूप उस देश की भूमि एवं जलाशयों, पशुओं, धन-दौलत में नहीं बल्कि उस देश के स्वच्छ एवं सुखी पुरुषों, बच्चों एवं स्त्रियों में होता है । भारत में जनसंख्या का आकार एवं वृद्धि बहुत ही तीव्र है। इसे "जनसंख्या विस्फोट" कहा जाता है । 1 मार्च 2001 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 102.8 करोड़ लाख थी जो विश्व की जनसंख्या का 16.7 प्रतिशत थी । हमारे यहाँ जनगणना प्रत्येक 10 साल के अन्तराल पर होती है, भारत की लगभग आधी जनसंख्या लगभग पाँच राज्यों में निवास करती है। ये राज्य हैं-उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल एवं आन्ध्रप्रदेश । 2001 की
मतगणना के अनुसार भारत का औसत जनसंख्या घनत्व 325व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. है। मैदानी तथा तटीय भागों में सर्वाधिक घनत्व पाया जाता है तथा पर्वतीय भागों का घनत्व कम होता है । जनसंख्या वृद्धि का अर्थ होता है किसी विशेष समान अंतराल में देश/राज्य के निवासियों की संख्या में परिवर्तन । पहला सापेक्ष तथा दूसरे प्रतिवर्ष होने वाले प्रतिशत परिवर्तनों द्वारा भारत की आबादी
बहुत अधिक है । विशाल आकार की जनसंख्या में कम वार्षिक वृद्धि दर सापेक्ष वृद्धि बहुत अधिक है । भारत की वर्तमान जनसंख्या में वार्षिक वृद्धि दर 155 लाख है। जनसंख्या में होने वाले परिवर्तन की तीन मुख्य वजहें हैं-जन्म दर, मृत्यु दर एवं प्रवास । जन्म दर एवं मृत्यु दर के बीच के अंतर को वास्तविक प्राकृतिक वृद्धि कहते हैं । लोगों के एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में चले जाने को प्रवास कहते हैं। आन्तरिक प्रवास से जनसंख्या के आकार में कोई परिवर्तन नहीं होता है लेकिन यह भीतरी जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करता है । आयु संरचना की दृष्टि से
जनसंख्या को तीन वर्गों में विभाजित किया गया है-किशोर वर्ग, प्रौढ़ वर्ग तथा वृद्ध वर्ग। प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या को लिंग अनुपात कहते हैं। यह समाज में पुरुषों एवं महिलाओं के बीच समानता की सीमा मापने के लिए प्रयोग किया जाता है । साक्षर जनसंख्या ही
देश की उन्नति में सहायक हो सकती है । 2001 की जनसंख्या के अनुसार देश की साक्षरता दर 64.84 प्रतिशत है जिसमें 79% पुरुष तथा 53.67% महिला हैं । भारत में जनसंख्या को उनकी क्रियाशीलता अर्थात् व्यवसायों के आधार पर बाँटा गया है जिसे व्यावसायिक संरचना कहते हैं । स्वस्थ आबादी विकास की प्रक्रिया को गतिशील तथा प्रभावकारी बनाती है। भारत का स्वास्थ्य
स्तर विकसित देशों की तुलना में कम है, लेकिन अब धीरे-धीरे विकास की प्रक्रिया में तेजी से सुधार हो रहा है। स्वतंत्रता के बाद भारत के खाद्य उत्पादन, रोजगार के अवसरों और औद्योगिक संरचना
में भारी वृद्धि हुई है, लेकिन जनसंख्या वृद्धि के कारण सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं हो पाती है।
आज भी भारत में आधे से अधिक बच्चे कुपोषण के शिकार हैं तथा प्रति व्यक्ति खाद्य उपलब्धता 450 ग्राम से कम है । जनसंख्या विस्फोट के कारण देश को गरीबी, बेरोजगारी, निरक्षरता तथा कुपोषण जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है । इसे नियंत्रित करने के लिए सरकार जनसंख्या नियंत्रण की नीति अपनाती रहती है, भारत विश्व का पहला ऐसा देश है जिसने प्रथम पंचवर्षीय योजना के दौरान परिवार नियोजन कार्यक्रम को सरकारी कार्यक्रम घोषित किया। 1976 ई० में राष्ट्रीय स्तर पर जनसंख्या नीति की घोषणा की गई जिसके अनुसार विवाह की आयु लड़कों के लिए 21 वर्ष रखी गई है । भारत की जनसंख्या नीति 'छोटा परिवार सुखी परिवार' पर
आधारित है।

https://www.evidyarthi.in/